फसल चक्र

फसल चक्र किसी निश्चित क्षेत्र पर एक निश्चित अवधि तक फसलों को इस प्रकार हेर- फेर कर बोना जिससे भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाये रखकर अधिक उत्पादन ले सके फसल चक्र कहलाता है।

फसल चक्र के सिद्धांत

- गहरी जड़ो वाली फसलों के बाद उथली जड़ वाली फसलें उगाना
- अधिक खाद चाहने वाली फसलों के बाद कम खाद चाहने वाली फसलें बोना
- अधिक पानी चाहने वाली फसलों के बाद कम पानी चाहने वाली फसलें बोना

- फलीदार फसलों के बाद बिना फलीदार फसलें बोना
- फसल चक्र में सभी फसलें एक ही कुल की नहीं होनी चाहिए
- फसल चक्र में कृषि साधनो का वर्षभर क्षमतापूर्ण उपयोग

फसल चक्र के लाभ

- खेत की उर्वरा शक्ति
- पोषक तत्वों तथा नमी का संतुलन
- दलहनी फसलों से मृदा की भौतिक दशा में सुधार
- भूमि में जैव पदार्थ

- खरपतवार, कीटों, तथा रोगों का नियंत्रण
- फसलों की अधिक पैदावार
- फसल उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि
- उपलब्ध साधनों का क्षमता पूर्ण उपयोग

उत्तर प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित फसल चक्र

पश्चिमी उत्तर प्रदेश

एक वर्षीय फसल चक्र

- ज्वार-गेहूँ
- धान-गेहूँ या बरसीम
- मक्का-गेहूँ या जौ

दो वर्षीय फसल चक्र

- धान-मटर-धान-गन्ना
- ज्वार+अरहर-परती-गेहूँ

तीन वर्षीय फसल चक्र

- मक्का-आलू-गन्ना-पेड़ी-गेहूँ
- मक्का-गन्ना+गेहूँ –पेड़ी

चार वर्षीय फसल चक्र

- मक्का-आलू-गन्ना-पेड़ी-हरी खाद -गेहूँ

उत्तर प्रदेश के मध्य क्षेत्र

एक वर्षीय फसल चक्र

- तिल-अलसी
- ज्वार-मक्का
- मक्का-गेहूँ+चना

दो वर्षीय फसल चक्र

- ज्वार+अरहर-गेहूँ-परती-गेहूँ
- ज्वार-चना-मक्का-जौ, परती-गेहूँ

तीन वर्षीय फसल चक्र

- मक्का-आलू-गन्ना-पेड़ी
- मूंगफली+अरहर-गन्ना-मूंग-गेहूँ

उत्तर प्रदेश के पूर्वी क्षेत्र

एक वर्षीय फसल चक्र

- ज्वार-जई
- ज्वार-बरसीम
- परती-गेहूँ

दो वर्षीय फसल चक्र

- धान-जौ-परती- गेहूँ
- धान-चना-धान-जौ

तीन वर्षीय फसल चक्र

- धान-मटर-गन्ना-पेड़ी

उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र

एक वर्षीय फसल चक्र

- धान-गेहूँ
- धान-गेहूँ-मूंग
- सोयाबीन-गेहूँ

दो वर्षीय फसल चक्र

- धान-चना-धान-मटर
- मक्का-बरसीम-ज्वार-बरसीम
- हरी खाद-गेहूँ-गन्ना

तीन वर्षीय फसल चक्र

- ज्वार-मटर-गन्ना-पेड़ी
- हरी खाद-गन्ना-पेड़ी-गेहूँ

उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र

एक वर्षीय फसल चक्र

- ज्वार-चना
- परती-गेहूँ
- परती-गेहूँ+चना

दो वर्षीय फसल चक्र

- परती-गेहूँ-ज्वार-चना
- ज्वार+अरहर- गेहूँ

तीन वर्षीय फसल चक्र

- परती-सरसों-ज्वार+अरहर-मूंग-जौ
- ज्वार+अरहर-परती-गेहूँ-तिल-अलसी